खबर संक्षेप

हाजियों का जत्था बुढ़ार स्टेशन से हज यात्रा के लिए रवाना

धनपुरी। नगर से हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों का जत्था बुढ़ार रेलवे स्टेशन से दुआओं और शुभकामनाओं के साथ रवाना हुआ। इससे एक दिन पूर्व इमामबाड़ा धनपुरी में हाजियों का भव्य इस्तकबाल किया गया, जहां बड़ी संख्या में नगरवासियों ने पहुंचकर उन्हें मुबारकबाद दी।

हज यात्रा पर रवाना होने वालों में मेहरुन्निसा सैफ खान की माताजी एवं समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राशिद खान की खाला मौसी भी शामिल रहीं। उन्होंने रवाना होते समय सभी लोगों को दुआएं दीं और देश में अमन-चैन की कामना की। इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ नागरिकों एवं समाजसेवियों ने हाजियों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनकी यात्रा की सफलता के लिए दुआएं कीं। हाजी यूनुस खान, हाजी पीर अली, हाजी इरशाद खान, हाजी शफीक खान, शकील खान, तबरेज खान, शाहनवाज खान, अलीम खान, मोइन फारुकी (पत्रकार), शहजाद मोहम्मद, इमरान सिद्दीकी, रिफत अली, बाबा खान, सफीक खान पत्रकार शहरयार खान, रफीक खान, हाजी खलील खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धनपुरी नगर पालिका का नवाचार- प्लास्टिक की बोतल डालें और पाएं बैग

शहडोल। मुख्य नगरपालिका अधिकारी धनपुरी सुश्री पूजा बुनकर ने बताया कि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में नगरपालिका धनपुरी द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं पॉलिथिन के उपयोग को रोकने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल की गई है। नगरपालिका धनपुरी द्वारा नगर क्षेत्र के 5 प्रमुख स्थानों पर बैग वेंडिंग मशीन स्थापित की गई हैं। इन मशीनों में नागरिक प्लास्टिक की खाली बोतल डालकर इसके बदले उपयोगी बैग प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक कचरे को कम करना, नागरिकों को जागरूक बनाना तथा स्वच्छ एवं सुंदर पर्यावरण को बढ़ावा देना है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे इस नवाचार का अधिक से अधिक उपयोग करें और स्वच्छता अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। बेग वेंडिंग मशीन से न केवल पॉलीथिन के उपयोग में पूर्णतः प्रतिबंध लगाने में सहयोग होगा अपितु थैले सिलने हेतु स्व सहायता समूह की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी जिससे उन्हें आर्थिक सम्बल भी मिलेगा।

सृजन जायसवाल ने आईसीएसई में 99 प्रतिशत अंक हासिल कर रचा कीर्तिमान

मेहनत, मार्गदर्शन और सही चुनाव का संगम

शहडोल जिले के धनपुरी नंबर-3 स्थित एमजीएम स्कूल का छात्र सृजन जायसवाल इस वर्ष कक्षा दसवीं आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले ही नहीं, पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। सृजन की इस शानदार उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि यदि लगन, सही दिशा और परिवार का सहयोग मिले, तो सफलता निश्चित है।

सृजन के पिता सुजीत जायसवाल, जो कोलांचल के राजेंद्र क्षेत्र में ठेकेदारी का कार्य करते हैं, अपने पुत्र की सफलता पर स्वाभाविक गर्व व्यक्त करते हुए कहते हैं कि यह उपलब्धि केवल सृजन की मेहनत नहीं, बल्कि पूरे परिवार और शिक्षकों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि परिवार ने हर स्तर पर उसे प्रोत्साहित किया, चाहे वह आर्थिक सहयोग हो या मानसिक संबल। विशेष रूप से सृजन के चाचा, जो वन विभाग में कार्यरत हैं, ने उसे निरंतर प्रेरित किया। सुजीत जायसवाल का मानना है कि अभिभावकों को बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपने के बजाय उनकी रुचि और क्षमता को समझना चाहिए। यदि बच्चा पढ़ाई के प्रति समर्पित है, तो उसे पूरा समर्थन मिलना चाहिए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एमजीएम स्कूल का चयन उनका नहीं, बल्कि स्वयं सृजन का निर्णय था। सृजन अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कर एक चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम अपनाना चाहता था और उसे आईसीएसई बोर्ड ही सबसे उपयुक्त लगा। स्कूल की गुणवत्ता, अनुभवी शिक्षक और उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति ने इस निर्णय को और मजबूत किया।

वहीं, सृजन जायसवाल अपनी सफलता को लेकर विनम्र भाव से कहते हैं कि उन्हें खुद भी इतने अच्छे अंक आने की उम्मीद नहीं थी। वह बताते हैं कि उनका कोई तय टाइम-टेबल नहीं था, लेकिन नियमित अध्ययन उनकी आदत में शामिल था। एमजीएम स्कूल के शिक्षकों ने उन्हें सही संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे उनकी तैयारी मजबूत हुई। सृजन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और परिवार के आशीर्वाद को दिया है। एमजीएम स्कूल प्रबंधन के लिए भी यह वर्ष गौरवपूर्ण रहा, जहां कक्षा दसवीं के 10 छात्रों ने 90त्न से अधिक अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय की गुणवत्ता को दर्शाती है, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकेत देती है। सृजन जायसवाल की यह सफलता उन सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो सही दिशा, समर्पण और विश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को हासिल करना चाहते हैं।

रामपुर मेगा प्रोजेक्ट या वसूली का अड्डा?

लाल डायरी में दर्ज है लाखों का काला सच

प्रबंधन की नाक के नीचे चल रहा समानांतर साम्राज्य
महाप्रबंधक बी.के. जेना की चुप्पी पर खड़े हुए गंभीर सवाल

शहडोल। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) का सोहागपुर क्षेत्र इन दिनों कोयला उत्पादन के लिए नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के रामपुर मॉडल के लिए सुखिर्य़ों में है। रामपुर मेगा परियोजना, जो कभी सरकारी खजाने को भरने वाली रीढ़ मानी जाती थी, आज भ्रष्टाचार के दीमकों का चारागाह बन चुकी है। खदान की सीमाओं के भीतर नियम-कायदे और सुरक्षा मानक दम तोड़ चुके हैं और उनकी जगह ले ली है एक संगठित उगाही तंत्र ने जिसका रिमोट कंट्रोल तकनीकी निरीक्षक जितेंद्र पांडे के हाथों में होने के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

रहस्यमयी लाल डायरी

सूत्रों की मानें तो रामपुर खदान के भीतर ईमानदारी का सूरज ढलते ही लाल डायरी का खेल शुरू हो जाता है। चर्चा है कि तकनीकी निरीक्षक जितेंद्र पांडे एक ऐसी डायरी का संचालन करते हैं, जिसमें खदान के भीतर होने वाली हर अवैध प्रविष्टि, कोयले की छंटाई में होने वाली हेराफेरी और साठगांठ किए गए वाहनों का कच्चा-चि_ा दर्ज है। यह डायरी महज कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि प्रतिदिन होने वाली लाखों रुपये की उगाही का सर्वोच्च दस्तावेज है। इलाके में इस डायरी की दहशत और चर्चा इतनी है कि लोग इसे भ्रष्टाचार का तिजोरी कह रहे हैं।

अवैध प्रवेश का पासपोर्ट

खदान जैसे संवेदनशील क्षेत्र में जहां परिंदा भी बिना अनुमति पर नहीं मार सकता, वहां रामपुर मेगा परियोजना में बाहरी तत्वों का जमघट लगा रहता है। बिना किसी वैध पत्र या अनुमति के दर्जनों लोग खदान के प्रतिबंधित क्षेत्रों में घूमते देखे जा सकते

हैं। आरोप है कि यह खुला दरवाजा नीति जितेंद्र पांडे के विशेष आशीर्वाद से चल रही है। ये अनाधिकृत लोग अंदर जाकर समतलीकरण और खदान निकासी (आरओएम) की श्रेणियों को बदलने का खेल खेलते हैं। जो पक्ष पैसा फेंकता है, उसके कोयले की गुणवत्ता कागजों पर रातों-रात सुधर जाती है और जो विरोध करता है, उसे तंत्र की चक्की में पीस दिया जाता है।

प्रतिदिन लाखों की चपत, शाम को बंटता है प्रसाद

यह कोई छिटपुट चोरी नहीं, बल्कि एक सुनियोजित तरीके से चलने वाला घोटाला है। जानकार बताते हैं कि कांटा घर से लेकर अवरोधकों तक और द्वार प्रविष्टि से लेकर खदान की गहराई तक, हर मोड़ पर उगाही का एक नाका स्थापित है। प्रतिदिन लाखों रुपये की अवैध वसूली की जाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह काली कमाई केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एक तय कड़ी के माध्यम से ऊपर तक पहुंचाई जाती है। शाम ढलते ही इस वसूली की रकम का बंदरबांट होता है, जिसमें हिस्सेदारी के हिसाब से सबको उनका भाग मिल जाता है।

महाप्रबंधक बी.के. जेना की भूमिका घेरे में!

इतने बड़े पैमाने पर चल रहे इस नग्न भ्रष्टाचार पर महाप्रबंधक बी.के. जेना की चुप्पी सबसे बड़ा रहस्य बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि क्या एक महाप्रबंधक इतने लाचार हैं कि उनकी नाक के नीचे उनके अधीनस्थ अधिकारी अपनी समानांतर सत्ता चला रहे हैं या फिर इस चुप्पी के पीछे कोई गहरी रजामंदी है? यदि एक महाप्रबंधक को अपनी ही परियोजना में हो रही लाखों की प्रतिदिन की वसूली की भनक नहीं है, तो यह उनकी प्रशासनिक विफलता है, और यदि भनक है, तो यह मिलीभगत का सबसे बड़ा प्रमाण है।

दबंगों का संरक्षण और सुरक्षा से खिलवाड़

खदान के भीतर इस काली कमाई को सुरक्षित रखने के लिए कुछ स्थानीय रसूखदारों और दबंगों की एक फौज भी तैनात की गई है। इनका काम किसी भी संभावित विरोध को कुचलना और बाहरी हस्तक्षेप को रोकना है। नियमों की धज्जियां उड़ाकर बाहरी लोगों को खदान में घुसाना किसी भी दिन एक भीषण दुर्घटना को अंजाम दे सकता है। सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर जितेंद्र पांडे और उनकी टोली जिस तरह से खदान को अपनी जागीर समझ रही है, वह संस्थान के लिए आत्मघाती साबित हो सकता है।

अब आर-पार की जांच जरूरी

रामपुर मेगा परियोजना की साख दांव पर है। यदि शीर्ष प्रबंधन अब भी कुंभकर्णी नींद से नहीं जागा, तो यह खदान भ्रष्टाचार की आग में भस्म हो जाएगी। जनता और जागरूक कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि जितेंद्र पांडे की कथित लाल डायरी को जब्त कर उसकी उच्चस्तरीय जांच हो। खदान के भीतर के छायाचित्रों और वीडियो (सीसीटीवी) की गहन जांच हो ताकि अवैध प्रवेश की पोल खुल सके। महाप्रबंधक बी.के. जेना की जवाबदेही तय की जाए। रामपुर मेगा परियोजना में कानून का राज स्थापित होगा या जितेंद्र पांडे का डायरी राज इसी तरह चलता रहेगा? यह सवाल अब सोहागपुर क्षेत्र के हर ईमानदार कर्मचारी की जुबान पर है।

नलकूप खनन हेतु पूर्व से लेनी होगी अनुमति अथवा होगी कार्यवाही: कलेक्टर

कलेक्टर ने पेयजल परीक्षण अधिनियम अंतर्गत जारी किया आदेश

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. केदार सिंह ने अल्पवर्षा के कारण संभावित पेयजल संकट के निराकरण हेतु जिले में पेयजल परीक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया। जारी आदेश में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति विना अनुमति के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में किसी भी शासकीय भूमि पर स्थित जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोडकर अन्य किसी भी प्रयोजनों के लिये नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्त्रोतों का जल दोहन किन्ही भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नहीं करेगा। जिले के समस्त विकासखंडो एवं नगरीय क्षेत्रों के समस्त नदी, नालों, स्टापडैम, सार्वजनिक कुओं तथा अन्य जल स्त्रोतों का उपयोग एवं घरेलू प्रयोजनों हेतु तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किया जाता है, जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा प्राईवेट ठेकेदार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किये बिना किसी भी प्रयोजन के लिये नवीन नलकूप का निर्माण नही करेगा। यह आदेश शासकीय नलकूप खनन पर लागू नहीं होगा, जिन व्यक्तियों को अपनी निजी भूमि पर नलकूप खनन कार्य कराना है, उन्हें ऐसा करने के लिये निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को आवेदन करना होगा। इस कार्य हेतु जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सक्षम अधिकारी प्राधिकृत किया जाता है। अनुविभागीय अधिकारी अनुमति देने कं पूर्व आवश्यक जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण कर लेवें तथा अनुमति दिये जाने के संबंध में संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभिमत, अनुसंशा प्राप्त करेंगे, सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत सूख जाने के कारण वैकल्पिक रूप से दूसरा कोई सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत उपलब्ध नहीं होने पर जनहित में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उस क्षेत्र के निजी पेयजल स्त्रीत को पेयजल परीरक्षण संशोधित अधिनियम 2002 के सेक्सन 4 (ए) तथा 4 (बी) के प्रावधानों के अधीन अधिग्रहण निश्चित अवधि हेतु कर सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध म.प्र. पेयजल परीरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-9 एवं भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकेगी।

आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), सभी थाना प्रभारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समस्त फील्ड स्तर के अधिकारी, कर्मचारी, सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों, सभी जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा ग्राम पंचायतो के सचिवों द्वारा सुनिश्चित कराया जायें।

शहडोल के जांबाज युवाओं ने छेड़ी मानसिक जंग

निमहंस और टेलीमानस ने भी माना लोहा!

शहडोल। जब शहर के युवा केवल रील और शोर-शराबे में मशगूल हैं, तब पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कुछ ऊर्जावान छात्रों ने समाज की सबसे दबी हुई रग मानसिक स्वास्थ्य पर चोट कर दी है। इन युवाओं ने सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प अडिग हो, तो छोटे शहर की गूंज देश की राजधानी और बड़े संस्थानों तक सुनाई देती है।

सोशल मीडिया बना जागरूकता का हथियार

काउंसलर रागनी लंबा के मार्गदर्शन में संचालित पीयर सपोर्ट ग्रुप ने इंस्टाग्राम जैसे मंचों को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे एक वैचारिक क्रांति का केंद्र बना दिया। इनके द्वारा चलाए जा रहे पेज के माध्यम से फैलाई जा रही जागरूकता की धमक बेंगलुरु स्थित देश के शीर्ष संस्थान निमहंस और टेलीमानस तक जा पहुंची है। इन राष्ट्रीय संस्थानों ने शहडोल के इन युवाओं के जज्बे की न केवल सराहना की है, बल्कि इसे एक आदर्श पहल करार दिया है।

खुद से प्यार ही असली जीत

अक्सर अवसाद और तनाव को पागलपन समझकर दरकिनार करने वाले समाज को इन छात्रों ने आइना दिखाया है। ऋतिका महबिया, पलक यादव, साक्षी मेहरा, जय राज रजक, उत्तमा विश्वकर्मा और सुचिता तिवारी जैसे युवाओं ने अपने कड़े परिश्रम से सेल्फ-लव (स्व-प्रेम) और संवाद की महत्ता को घर-घर पहुंचाया है। इनके वीडियो और साक्षात्कारों ने दैनिक जीवन के तनाव को कम करने के लिए बातचीत को एकमात्र विकल्प बताया है।

हेल्पलाइन 14416: 24 घंटे तैनात रहने की सलाहः इन युवाओं ने न केवल समस्या बताई, बल्कि समाधान के रूप में भारत सरकार की निःशुल्क हेल्पलाइन 14416 को जन-जन तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया। इनका स्पष्ट संदेश है कि मानसिक पीड़ा में घुटें नहीं, बल्कि खुल कर बोलें। यह पहल उन लोगों के मुंह पर करारा तमाचा है जो युवाओं को दिशाहीन समझते हैं। विश्वविद्यालय के इन मानसिक योद्धाओं ने दिखा दिया है कि संवाद और संवेदनशीलता के बल पर समाज की सडवा को खत्म किया जा सकता है। शहडोल को अपने इन होनहारों पर गर्व है।

जनमानस को नियमित रूप से उपलब्ध कराएं स्वच्छ एवं शुद्व पेयजलः कमिश्नर

कमिश्नर ने ग्राम कुंवरसेजा में जल आपूर्ति कार्य का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम कुंवरसेजा में नल जल योजना के तहत प्रदाय किये जा रहे जल आपूर्ति कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिए कि ग्रीष्मऋतु में नल जल योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति के घर तक शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। आपने कहा कि पेयजल की आपूर्ति सतत रूप से बनी रहे एवं जनमानस को पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो इसका ध्यान रखें।कमिश्नर ने कहा कि पाईप लाइन टूटने अथवा पंप खराब होने की स्थिति में यथा शीघ्र मरम्मत कराई जाए। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्राम कुंवरसेजा में ग्रामीणों से पेयजल आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जल आपूर्ति की स्थिति एवं संचालन व्यवस्था का भी जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश दिए। कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान पेयजल की उपलब्धता के संबंध में स्थानीय लोगो से संवाद कर जल संरक्षण एवं जल के समुचित उपयोग के प्रति जागरूक भी किया।

निरीक्षण के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्थल पर ही गांव के प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से एफटीके के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण भी कराया गया। परीक्षण के माध्यम से उपस्थित ग्रामीणों को पानी की गुणवत्ता जांचने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा उन्हें स्वयं भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, कार्यपालन यंत्री पीएचई एचएल धुर्वे सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सड़क मरम्मत अभियान का आयोजन

कोतमा। शासकीय महाराजा मार्तंड महाविद्यालय कोतमा के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्राचार्य के निर्देशन में 28 अप्रैल से 29 अप्रैल तक सड़क मरम्मत अभियान के तहत कॉलेज तिराहा, जमुना तिराहा एवं गोविंदा रोड पुल के ऊपर निर्मित गड्ढे जिससे आने जाने वालों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता था साथ ही दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी इन्हीं समस्याओं का निराकरण करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवियों द्वारा सड़क मरम्मत अभियान चलाया गया और सभी गड्ढों को भरकर मरम्मत की गई जिससे आने वाले राहगीरों की मुश्किलें आसान होंगी एवं दुर्घटना की संभावनाएं भी कम होंगी। उक्त अभियान में 15 स्वयं सेवियों ने अपनी सहभागिता देकर अभियान को सफल बनाया। राष्ट्रीय सेवा योजना समाज में व्याप्त समस्याओं के निराकरण हेतु हर संभव प्रयास के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर समाज कल्याण कार्य करते रहने हेतु प्रयासरत हैं। कार्यक्रम मे महाविद्यालय से शैक्षणिक स्टाफ डॉ कांत मिश्रा, मोहम्मद मोबीन, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ शिव कैलाश यादव, सुश्री वैष्णवी दारको एवं सह प्रभारी डॉ राज कुमार रैदास शामिल रहे।

नवांकुर संस्था कोशिश सेवा समिति द्वारा जल संवर्धन के प्रति किया जा रहा जागरूक

भालूमाड़ा। बिगत दिनों मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड अनूपपुर की नवांकुर संस्था कोशिश सेवा समिति कोतमा कालरी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के द्वितीय चरण के सहयोगी गतिविधि में जल चौपाल/जल संवाद का आयोजन सेक्टर क्रमांक तीन अंतर्गत ग्राम लतार एवं ग्राम पडोर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो के सहयोग से किया गया स जल चौपाल कार्यक्रम ग्रामीण स्तर पर जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जल प्रबंधन के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से नल-जल योजनाओं के पानी का दुरुपयोग (जैसे- पशुओं को नहलाना, पानी बहाना, व्यर्थ सिंचाई) रोकने के लिए ग्राम सभाओं के माध्यम से चर्चा करना। जल प्रबंधन और कृषि में जल उपयोग दक्षता (जैसे ड्रिप, स्प्रिंकलर) बढ़ाने के लिए किसानों को प्रशिक्षित करना। ग्रामीण को जल-संरक्षण के प्रति एकजुट होने, जल-संवर्धन का संकल्प लेने सूखे के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में पानी की कमी दूर करने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाना और बूंद-बूंद पानी बचाने का महत्व समझाया गया कार्यक्रम में संस्था सचिव जितेंद्र रजक, अमीन अहमद, परामर्शदाता आरती पाव, पूजा ढीमर, रेनू ढीमर मुस्कान केवट, पार्वती, बेला बाई बाल सिंह, जय सिंह, आशा सिंह बालकरण स्व सहायता समूह की बहने एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिलेवासियों से जनगणना कार्य के लिए घर-घर पहुंचने वाली टीम के सहयोग की अपील की

आज से होगी जनगणना महाअभियान की शुरुआत

उमरिया। जिले में 1 मई से 30 मई 2026 तक जनगणना महाअभियान संचालित किया जाएगा। इस दौरान जिले भर में हजारों अधिकारी और कर्मचारी घर-घर जाकर मकानगणना सहित 33 प्रकार की आवश्यक जानकारियां एकत्र करेंगे। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित यह अभियान प्रदेश के साथ उमरिया जिले में भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। जनगणना का उद्देश्य देश की जनसंख्या, सामाजिक संरचना और आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन करना है, जिससे भविष्य की योजनाओं को बेहतर ढंग से तैयार और लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी इस प्रक्रिया को सफल बनाने में महत्वपूर्ण है। जिले में इस कार्य के लिए बड़ी संख्या में प्रगणक और सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं, जो निर्धारित अवधि में प्रत्येक घर तक पहुंचकर जानकारी एकत्र करेंगे। जनगणना के दौरान अधिकारी केवल सामान्य और आधारभूत जानकारी ही एकत्र करेंगे, जिसमें मकान या भवन का प्रकार, परिवार के सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, नल, बिजली, शौचालय व बाथरूम की उपलब्धता, गैस कनेक्शन,टीवी, रेडियो, केबल जैसी सुविधाएं, साइकिल, मोटरसाइकिल या कार जैसी परिसंपत्तियां, परिवार का मुख्य खाद्यान्न, मोबाइल नंबर शामिल है। यह सभी जानकारी केवल सांख्यिकीय उपयोग और सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए उपयोग की जाएगी।

सतर्क रहें, इन जानकारियों की नहीं होगी मांग

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान किसी भी नागरिक से आधार कार्ड नंबर,पैन कार्ड विवरण,बैंक खाता जानकारी, ओटीपी या कोई वित्तीय जानकारी नही मांगी जाएगी यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की संवेदनशील जानकारी मांगता है, तो तुरंत सतर्क हों और प्रशासन को सूचित करें।

सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानियां

जानकारी देने से पहले अधिकारी का पहचान पत्र अवश्य जांचें,केवल अधिकृत कर्मियों को ही जानकारी दें,किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

जिम्मेदारी से दें सही जानकारी

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास की आधारशिला है। सही जानकारी देकर प्रत्येक नागरिक इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मकान सूचीकरण कार्य के प्रगति की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई समीक्षा

उमरिया। जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पावर प्रेजेंटेशन के जरिए मकान सूचीकरण ब्लॉक (एचएलबी) के गठन एवं सीमांकन, कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा फील्ड स्तर की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि एचएलबी के गठन एवं सीमांकन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। एचएलबीसी पोर्टल पर सभी चार्जों द्वारा सीमांकन का कार्य पूर्ण किया जा चुका हो तथा किसी भी प्रकार का ओवरलैपिंग या ओमिशन न रहे। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्रविष्टियाँ पूर्ण एवं सटीक हों। प्रत्येक राजस्व ग्रामकृचाहे वह शून्य जनसंख्या वाला ही क्यों न होकृमें कम से कम एक एचएलबी का गठन अनिवार्य रूप से किया जाए। यह भी निर्देशित किया गया कि एचएलबी की सीमाएँ किसी भी स्थिति में तहसील, वार्ड, ग्राम या ग्राम पंचायत की सीमाओं को पार न करें। बैठक में एचएलबी सुपरवाइजर सर्किल के आवंटन, फील्ड कार्य हेतु एचएलबी अलॉटमेंट, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण, नियुक्ति-पत्र, पहचान-पत्र एवं किट वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसके साथ ही प्रथम चरण के कार्यों के अंतर्गत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा मकान सूचीकरण ब्लॉक एवं पर्यवेक्षी सर्किल की पहचान, ले-आउट मैप तैयार करने तथा आवश्यक ऐप डाउनलोड करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। जनगणना कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार, नियमित निरीक्षण एवं गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।इस अवसर पर उमरिया स्थित एनआईसी कक्ष में कलेक्टर एवं जिला प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय,अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, नोडल अधिकारी जनगणना प्रत्यूष श्रीवास्तव सहित संबंधित चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों के खाते में अंतरित की अनुग्रह सहायता राशि

जिले के 166 हितग्राहियों के खाते मे अंतरित हुई राशि

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मंत्रालय से मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना की राशि का सिंगल के माध्यम से प्रदेश के 27167 हितग्राहियों के खाते में 600 करोड रूपये की राशि अंतरित की । जिले के 166 हितग्राहियों के खाते मे 3.71 करोड़ रूपये कि राशि अंतरित हुई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एनआईसी उमरिया में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, श्रम पदाधिकारी उमाशंकर त्रिपाठी सहित बडी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

4 मई से एडीआर सेंटर भवन में साक्षात्कार

उमरिया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि कार्यालय, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल सिस्टम उमरिया में दिनांक 4 मई 2026 को कार्यालय सहायक, दिनांक 5 मई 2026 को रिसेप्शनिष्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं दिनांक 6 मई 2026 को टॉयपिंग टेस्ट एवं भृत्य पद के साक्षात्कार का आयोजन दिनांकवार किया जाना है। समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि समस्त अपने-अपने दिनांक के अनुसार समय प्रातः 9 बजे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के ए0डी0आर0 सेंटर भवन, जिला न्यायालय परिसर उमरिया में उपस्थित होवें।

कोयला मज़दूर सभा के केंद्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष बने श्रीकांत शुक्ला

जमुना-कोतमा क्षेत्र के श्रमिक नेतृत्व को मिली बड़ी जिम्मेदारी, संगठन में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। कोयला मज़दूर सभा (एचएमएस) के जमुना-कोतमा क्षेत्र के सक्रिय श्रमिक नेता श्रीकांत शुक्ला को संगठन की केंद्रीय कार्यकारिणी में "कार्यकारिणी अध्यक्ष" की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से जमुना-कोतमा क्षेत्र सहित एसईसीएल के श्रमिकों में हर्ष का माहौल है। श्रीकांत शुक्ला की इस नियुक्ति को श्रमिक संगठन में उनके लंबे संघर्ष, सक्रिय भागीदारी और मज़दूर हितों के प्रति समर्पण का सम्मान माना जा रहा है। संगठन के केंद्रीय शीर्ष नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे क्षेत्र के श्रमिकों ने गर्व और सम्मान का विषय बताया है। अपनी नियुक्ति पर श्रीकांत शुक्ला ने कोयला मज़दूर सभा (एचएमएस) के सर्वमान्य वरिष्ठ नेता एवं महामंत्री (के.) नाथूलाल पाण्डेय तथा अध्यक्ष (के.) बजरंगी शाही के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि केंद्रीय नेतृत्व की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संगठन को और अधिक मजबूत, प्रभावशाली और श्रमिक हितों के प्रति सजग बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने केंद्रीय कार्यकारिणी में नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामूहिक नेतृत्व, संगठनात्मक एकजुटता और श्रमिक हितों की लड़ाई को नई मजबूती देने का यह महत्वपूर्ण अवसर है। श्रीकांत शुक्ला की नियुक्ति को जमुना-कोतमा क्षेत्र के श्रमिक नेतृत्व के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। श्रमिकों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में कोयला मज़दूर सभा श्रमिक हितों की लड़ाई को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

शिकागो से नोएडा तक गूंज रहा मज़दूर संघर्ष का स्वर

140 साल बाद भी मई दिवस की शहादत प्रासंगिक-हरिद्वार सिंह

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कॉमरेड हरिद्वार सिंह ने कहा है कि 1886 के शिकागो के मज़दूरों की शहादत आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी 140 वर्ष पहले थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के शिकागो में 1 मई 1886 को लाखों मज़दूरों ने "आठ घंटा काम, आठ घंटा आराम और आठ घंटा मनोरंजन" का ऐतिहासिक नारा बुलंद किया था। शांतिपूर्ण मज़दूर आंदोलन पर तत्कालीन सत्ता और पूंजीपतियों ने बर्बर दमन किया, पुलिस गोलियों से दर्जनों मज़दूरों की हत्या कर दी गई और कई नेताओं को फांसी पर चढ़ा दिया गया। हरिद्वार सिंह ने कहा कि मालिकों और सरकारों ने दमन की सारी सीमाएं पार कर दीं, लेकिन मज़दूर आंदोलन थमा नहीं, बल्कि और तेज हुआ। 1889 में दुनिया के समाजवादी देशों ने शिकागो की घटना को श्रमिक संघर्ष का प्रतीक मानते हुए 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। भारत में पहली बार मई दिवस एटक के अग्रणी नेता और प्रख्यात कम्युनिस्ट कामरेड सिंगारवेलू चेट्टियार ने मद्रास में मनाया था, जहां उन्होंने लाल झंडा फहराकर "आठ घंटा काम, आठ घंटा आराम, आठ घंटा मनोरंजन" का नारा दिया। उन्होंने कहा कि 1920 में एटक के गठन के बाद 1928 से लगातार देशभर में 1 मई को मज़दूर दिवस मनाया जा रहा है, लेकिन विडंबना यह है कि 140 वर्ष बाद भी मज़दूरों की मूल मांगें अधूरी हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा, हरियाणा के मानेसर, पानीपत, फरीदाबाद सहित देश के कई औद्योगिक क्षेत्रों में काम के घंटे, वेतन, श्रम अधिकार और सम्मानजनक कामकाजी परिस्थितियों को लेकर हो रहे मज़दूर आंदोलन आज भी 1886 के संघर्ष की याद दिलाते हैं। कॉमरेड हरिद्वार सिंह ने कहा कि चार नए लेबर कोड लागू होने के बाद मज़दूरों का शोषण और बढ़ा है। ट्रेड यूनियन बनाने, आंदोलन करने और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा तक पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार श्रमिकों के अधिकारों को कुचलने में लगी है और पूंजीपतियों के हितों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि आज़ादी के 79 वर्ष बाद भी निजी कंपनियों में अमानवीय शोषण जारी है। मध्यप्रदेश के रीवा जिले स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट कारखाने का उदाहरण देते हुए हरिद्वार सिंह ने कहा कि वहां श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन हो रहा है। मजदूरों से 18-18 घंटे काम कराया जा रहा है, रात 2 बजे तक उन्हें काम पर बुलाया जाता है, डबल ओवरटाइम नहीं दिया जाता, साप्ताहिक अवकाश नहीं मिलता और आवाज़ उठाने पर 300 मजदूरों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उन्होंने बताया कि यूनियन और प्रबंधन के बीच आरएलसी जबलपुर के समक्ष वार्ता चल रही है, लेकिन मजदूरों की सुनवाई नहीं हो रही। मजदूर प्रतिनिधियों ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से भी गुहार लगाई, परंतु सरकार मजदूरों के बजाय प्रबंधन के साथ खड़ी नजर आई। हरिद्वार सिंह ने कहा कि 12 फरवरी को 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा ने देशव्यापी हड़ताल की थी, लेकिन सरकार ने उससे कोई सबक नहीं लिया। इसके बाद नोएडा में हजारों मजदूरों के स्वतः स्फूर्त सड़क संघर्ष ने उत्तर प्रदेश सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया। हालांकि बाद में मजदूरों पर मुकदमे लादकर उन्हें डराने की कोशिश भी की गई। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ऐसे संघर्ष और तेज होंगे, क्योंकि निजीकरण, ठेका प्रथा, आउटसोर्सिंग और श्रम कानूनों के कमजोर होने से श्रमिकों पर संकट बढ़ा है। कोयला उद्योग का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग कंपनियों के जरिए खदानें चलाई जा रही हैं, जहां मजदूरों को निर्धारित मजदूरी, बोनस, सुरक्षा उपकरण और श्रम अधिकार नहीं मिलते। ठेका श्रमिक बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। कॉमरेड हरिद्वार सिंह ने कहा कि नए लेबर कोड में 12 घंटे काम को कानूनी मान्यता और महिलाओं से शाम 6 बजे के बाद भी काम लेने की अनुमति ने श्रमिक संकट को और गहरा कर दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि 1886 और 2026 के मजदूरों के संकट में आखिर कितना फर्क रह गया है? उन्होंने कहा कि मई दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि संघर्ष, एकता और श्रमिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प दिवस है। मई दिवस के अवसर पर मजदूरों को एकजुट होकर अपने अधिकारों, सम्मान और अस्तित्व की लड़ाई को और मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।

जमुना कोतमा 9/10 माइंस से भुवनेश्वर कुमार पटेल सेवानिवृत्त, सहकर्मियों ने दी भावभीनी विदाई

अनूपपुर। जमुना कोतमा स्थित 9/10 माइंस में कार्यरत भुवनेश्वर कुमार पटेल (निवासी मेडियारास चचाई) अपने दीर्घ एवं सम्मानजनक सेवा काल के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर खदान परिसर में एक सादगीपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उनके सहकर्मियों, अधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। पटेल का कार्यकाल मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उन्होंने वर्षों तक पूरी लगन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। खदान जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र में उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को न केवल बखूबी निभाया, बल्कि अपने अनुभव और सकारात्मक दृष्टिकोण से अन्य कर्मचारियों को भी प्रेरित किया। उनके सरल स्वभाव, सहयोगात्मक व्यवहार और अनुशासनप्रिय कार्यशैली के कारण वे सभी के बीच लोकप्रिय रहे। विदाई समारोह के दौरान सहकर्मियों ने उनके साथ बिताए गए वर्षों के अनुभव साझा किए और उनके योगदान की सराहना की। कई वक्ताओं ने कहा कि पटेल ने अपने कार्यकाल में हमेशा संगठन के हित को सर्वोपरि रखा और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य एवं सूझबूझ से कार्य किया। उनके मार्गदर्शन से अनेक कर्मचारियों को सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम में उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान भावुक क्षण भी देखने को मिले, जब सहकर्मियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी। पटेल ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जो भी सीखा और पाया, वह उनके सहकर्मियों और वरिष्ठों के सहयोग से ही संभव हो पाया है। उन्होंने सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और भविष्य में भी आपसी संबंधों को बनाए रखने की बात कही। भुवनेश्वर कुमार पटेल की सेवानिवृत्ति न केवल एक कर्मचारी के कार्यकाल का समापन है, बल्कि एक प्रेरणादायक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। उनके अनुभव, कार्य के प्रति समर्पण और सकारात्मक सोच की छाप लंबे समय तक कार्यस्थल पर बनी रहेगी। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए ईश्वर से उनके स्वस्थ, सुखद और समृद्ध जीवन की कामना की। उनके परिवारजनों और शुभचिंतकों ने भी इस नई पारी के लिए उन्हें शुभाशीष प्रदान किया।

खबर संक्षेप

दो युवकों को किया गिरफ्तार, बैटरी जब्त

कटनी। कुठला पुलिस ने इन्द्रानगर पावर हाउस क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में बैट्री लेकर घूम रहे दो युवकों को पकड़कर कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया तथा नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार नियमित गश्त के दौरान इन्द्रानगर पावर हाउस के पीछे एक मोटरसाइकिल पर खड़े दो युवक संदिग्ध हालत में ऑरेंज व काले रंग की 'लिव फास्ट' कंपनी की बैट्री लिए मिले। पूछताछ में युवकों ने अपने नाम संदीप रजक 26 निवासी कुम्हारी थाना पवई जिला पन्ना एवं इशाक उर्फ भूरा खान 19 निवासी कुम्हारी मुस्लिम मोहल्ला थाना पवई जिला पन्ना बताए। पुलिस द्वारा बैट्री से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे जाने पर दोनों युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। संदेह के आधार पर पुलिस ने बैट्री जब्त करते हुए धारा 106 बीएनएसएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की। कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक तीरथ टेकाम, आरक्षक मनोज सिंह राजपूत सहित पुलिस स्टाफ की भूमिका रही।

टायर फटने से अनाज लोड पिकअप पलटा

कटनी। अनाज लेकर जा रहा एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन टायर फटने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में वाहन में सवार तीन लोगों को केवल मामूली चोटें आईं और कोई गंभीर जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन क्रमांक MP 35 ZC 4076 अपनी सामान्य गति से कटनी की ओर जा रहा था। जैसे ही वाहन पुरैना मोड़ के समीप पहुंचा, अचानक उसका एक टायर जोरदार धमाके के साथ फट गया। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया लेकिन भारी बोझ लदा होने के कारण वाहन बीच सड़क पर ही पलट गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सुरक्षित वाहन से बाहर निकाला गया और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। वाहन पलटने से अनाज की बोरियां पूरी सड़क पर बिखर गईं, जिससे पन्ना-कटनी मार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा। हालांकि, ग्रामीणों ने सक्रियता दिखाते हुए घायलों की मदद करने के साथ-साथ सड़क पर बिखरे अनाज को किनारे करवाया, जिसके बाद आवागमन फिर से सुचारू रूप से शुरू हो सका।

सुरक्षा, उत्पादन, अनुशासन और समर्पण के कड़े मानकों पर खरे उतरे श्रमिक—1 मई को कार्यालय में होगा गरिमामय समारोह

आज 1 मई दिवस पर 'श्रमवीरों' का महा-सम्मान सोहागपुर क्षेत्र में 24 उत्कृष्ट कर्मियों का चयन

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के सोहागपुर क्षेत्र में इस वर्ष मई दिवस को विशेष और यादगार बनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। क्षेत्रीय समिति द्वारा कठोर चयन प्रक्रिया के बाद 24 ऐसे श्रमिकों को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता की मिसाल पेश की है।

समिति ने चयन के दौरान केवल औपचारिकता नहीं निभाई, बल्कि प्रत्येक नामांकन का सूक्ष्म परीक्षण किया। कार्य निष्पादन की गुणवत्ता, अनुशासन, नियमित उपस्थिति, सुरक्षा मानकों का पालन और उत्पादन में योगदान—इन सभी पहलुओं पर गंभीरता से मूल्यांकन कर अंतिम सूची तैयार की गई।

हर श्रेणी में उत्कृष्टता को मिला सम्मान

इस बार पुरस्कारों की श्रेणियां व्यापक रखी गई हैं, जिससे हर स्तर के श्रमिकों को सम्मान का अवसर मिला है। शोवेल, डंपर, ड्रिल, डोजर ऑपरेटर से लेकर अंडरग्राउंड और फेस वर्कर, एलएचडी ऑपरेटर, ड्रिलर, प्रशासनिक स्टाफ, महिला कर्मी, खेल प्रतिभा और संविदा श्रमिक तक—हर वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचान दी गई है।

ये हैं 'श्रमवीर'

सम्मान के लिए चयनित प्रमुख नामों में इलावी बर्मन, उमाकांत तिवारी, मो. जाफर, भरत सिंह बघेल, उमेश कुमार पटेल, घनश्याम सिंह, रामनाथ साहू, प्रदीप सिंह, अवेश कुमार, लाजकुमार, नरेश प्रसाद, मथुरा प्रसाद, पूलचंद, नरबदा केवट, छत्रपाल सिंह, मोहम्मद कलाम, सौरभ सोनी, प्रकाश चौधरी, आदित्य बंसल, ऋषिता मिश्रा, सरस्वती कोल, इंद्रजीत विश्वकर्मा, ओगेन्द्र यादव, शाल्यन सिंह और श्यामलाल कोरी शामिल हैं। इनमें ओपनकास्ट और अंडरग्राउंड दोनों खदानों के श्रमिक शामिल हैं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट कार्य कर संगठन का नाम रोशन किया है। एचआर प्रबंधक Suresh Kumar के निर्देशानुसार सभी चयनित श्रमिकों को 1 मई 2026 को प्रातः 9 बजे महाप्रबंधक कार्यालय में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। समारोह में सम्मान पत्र, ट्रॉफी और पुरस्कार देकर श्रमिकों के योगदान को सराहा जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में आयोजित होगा।

संदेश साफ, मेहनत का मिलेगा सम्मानः मई दिवस पर आयोजित यह आयोजन सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि श्रमिकों के प्रति सम्मान और उनके योगदान की सार्वजनिक स्वीकृति है। इससे न केवल चयनित कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि अन्य श्रमिकों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी।

श्रमिकों की असली पहचान

सोहागपुर क्षेत्र में आयोजित यह सम्मान समारोह यह संदेश देता है कि कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले श्रमिक ही उद्योग की असली ताकत हैं—और उनकी मेहनत को पहचानना ही सच्चा "मई दिवस" है।

पाली विकास खंड शिक्षा अधिकारी की उदासीन रवैया

अतिथि शिक्षकों का सत्र समाप्त तीन माह से नहीं मिला वेतन

बिरसिंहपुर पाली। शिक्षा विभाग में तीन महत्वपूर्ण स्थानो की कमान संहाल रही खंड शिक्षा अधिकारी पाली श्रीमती सरिता जैन की लचर कार्य पद्धति के कारण पाली विकास खंड के विभिन्न विद्यालयों में अध्यापन करा रहे अतिथि शिक्षकों का भुगतान पिछले तीन महीने से न होने के कारण अध्यापन कार्य में लगे हजारों अतिथि शिक्षकों के घर में चूल्हा जलने में समस्याये खडी हो गयी है। विदित होवे की आज से अध्यापन कार्य में जुडे.शिक्षकों का सत्र समाप्त हो गया और उन्हें जनवरी के बाद भुगतान नही हुआ है। बताया जाता है कि शासन के सख्त निर्देश है कि हर अतिथि शिक्षक का मानदेय के भुगतान दस तारीख तक अनिवार्य रूप से कर दिया जाये, लेकिन पाली विकास खंड के खंड शिक्षा अधिकारी की कुर्सी पर आसीन प्रभारी अधिकारी को शासन के तय मापदंडों का कोई असर नहीं पडता है। तभी तो दिहाड़ी मजदूर के रूप मे कार्यरत अतिथि शिक्षकों को उनके पारिश्रमिक के लिये भी लाले पडे हुये हैं ।

ध्यान देने योग्य यह है की खंड शिक्षा अधिकारी की कमान संहाल रही श्रीमती सरिता जैन जी खंड शिक्षा अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद के साथ ही दो अन्य कुर्सियों की कमान संहाल रही है। मुख्य रूप से आप गोरैया हाई स्कूल की प्राचार्य के पद पर आसीन हैं, इसके अलावा पी एम श्री कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य का मलाई दार पद पर भी आसीन थी, इसके साथ ही आप एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के प्राचार्य के पद का भी खूब लुत्फ उठाया, लेकिन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में मूल प्राचार्य के पद स्थापना के बाद इन्हें यहाँ से बिदा होना पड़ा। विचारणीय है कि जब कोई एक शिक्षक पहले से ही तीन कुर्सियां सम्हाल रहा है, तो खंड शिक्षा अधिकारी की कमान कैसे सौपा जा सकता है, लेकिन पैसे और पद के प्रभाव में सब कुछ इन्ही के हाथो में सौंप दिया गया। उन दिनों शिक्षा जगत में विरोध के स्वर मुखर हुये थे, लेकिन तत्कालीन कलेक्टर धरणेन्द्र जैन की कृपा की वजह से वह मुखर होने के पहले ही कुचल दिये गये। माना जाता है कि जैन सर होने का पूरा लाभ खंड शिक्षा अधिकारी को मिला यह सारे प्रभार की रेवड़ियां मिलती रही है और उसका खामियाजा पूरे शिक्षा जगत को उठाना पडा। तभी तो कभी भी शिक्षकों के स्वत्वो का भुगतान समय पर नहीं मिल सका। अतिथि शिक्षकों का भुगतान उसका साक्षी बनकर उभरा है। नवागत कलेक्टर महोदय से अपेक्षा है कि पुराने रवैये पर रोक लगाते हुए खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर मूल रूप से खंड शिक्षा अधिकारी की पद स्थापना करते हुए शिक्षकों के वेतन नियमानुसार भुगतान कराने आवश्यक कदम उठायेंगी।

4 माह के श्याम को मिला नया परिवार

यादव दंम्पत्ति ने नियमानुसार लिया गोद

शहडोल। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अखिलेश मिश्रा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य के तहत 04 माह के बालक श्याम (परिवर्तित नाम) को नया परिवार मिला बालक का कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर यादव दम्पत्ति (परिवर्तित नाम) ने गोद लिया है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्पित बालक शिवालय शिशु गृह विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण एजेंसी में आश्रयरत था। बाल कल्याण समिति एवं विभाग द्वारा विधिक प्रक्रिया के बाद बालक को लीगल फ्री घोषित एवं पोर्टल पर दर्ज करते हुये दत्तक ग्रहण की पूरी प्रक्रिया मिशन वात्सल्य के तहत संपन्न की गई।

गर्मी से बचाव है जरूरी, रखे अपने और अपनों का विशेष ध्यानः कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान को दृष्टिगत रखते हुए समस्त अनुविभागीय अधिकारियो, कार्यालय प्रमुखो, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियो, नगरपालिका के मुख्य नगरपलिका अधिकारियो को निर्देष दिए है कि राहगीरो एवं आमजन मानस की सुविधा हेतु बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, बाजार-हाटों, अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, शासकीय कार्यालयों, यात्री प्रतिक्षालयों, बैंको, ग्राम पंचायतों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों में जल मंदिर (प्याऊ) की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिलेवासियो से अपील करते हुए कहा है कि ग्रीष्मकाल में लगातार तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे स्थिति में स्वास्थ्य की देखभाल करना अत्यंत आवश्यक होता है। गर्मी के मौसम में ज्यादा से ज्यादा पानी पिए, आवश्कता होने पर ही धूप में निकले और निकलते वक्त सिर को ढक ले, ढीले सूती कपड़े पहनना शरीर के आरामदायक होता है। उन्होंने कहा कि दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे के मध्य अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें एवं भारी श्रम करने वाले कार्य न करें, स्वास्थ बिगडने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ केंद्रों में जाकर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें।

सेवा हेतु जिला प्रशासन ने दी 7.50 लाख रुपये की स्वीकृति

नगर पालिका को मिलेगी गौ एंबुलेंस की सुविधा

शहडोल। नगर पालिका परिषद द्वारा गौसेवा एवं गौ संरक्षण के कार्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गौ एंबुलेंस की मांग जिला प्रशासन से की गई थी। उक्त मांग पर सहमति प्रदान करते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) योजना अंतर्गत 7 लाख 50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

नगर पालिका परिषद, शहडोल द्वारा लगभग 25 लाख रुपये की कार्ययोजना तैयार कर जिला प्रशासन को प्रेषित की गई थी, जिसके तहत गौ संरक्षण एवं प्रबंधन से संबंधित विभिन्न कार्य प्रस्तावित किए गए थे। कलेक्टर द्वारा गौ संरक्षण के दृष्टिगत गौ एंबुलेंस सेवा हेतु प्रथम किश्त के रूप में यह राशि स्वीकृत की गई है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वीकृत राशि के आधार पर नगर पालिका द्वारा शीघ्र ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, जिससे गौ एंबुलेंस सेवा का संचालन जल्द शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल से गौसेवा एवं संरक्षण कार्यों को मजबूती मिलेगी तथा घायल एवं असहाय पशुओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। कलेक्टर द्वारा गौ संरक्षण हेतु राशि स्वीकृत किए जाने पर नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल, उपाध्यक्ष श्री प्रवीण शर्मा, नेता प्रतिपक्ष शक्ति लक्ष्यकार एवं पार्षदगणों द्वारा जिला प्रशासन के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने यह भी कहा कि इस पहल से नगर क्षेत्र में गौ संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा पशुओं के प्रति संवेदनशीलता और सेवा की भावना को और अधिक सशक्त किया जा सकेगा।

वर्षा ऋतु से पहले नाला-नालियों की सफाई हेतु नगर पालिका का विशेष अभियान शुरू

शहडोल। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका परिषद, शहडोल द्वारा नगर क्षेत्र में नाला-नालियों की व्यापक सफाई के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से नागरिकों को राहत मिल सके।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि नगर के सभी प्रमुख एवं आंतरिक नालों की समयबद्ध और प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा शुरू होने से पहले सभी जल निकासी मार्गों को व्यवस्थित करना प्राथमिकता है, जिससे शहर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर पालिका के स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया द्वारा विभिन्न वार्डों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है तथा सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। अभियान के अंतर्गत न्यू बस स्टैंड क्षेत्र, शंकर टॉकीज स्थित सब्जी मंडी, मीट मार्केट के समीप, रेलवे फाटक क्षेत्र तथा हाउसिंग बोर्ड सहित नगर के विभिन्न हिस्सों में नालों एवं नालियों की गहन सफाई कराई जा रही है। नगर पालिका परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें तथा कचरा नाला-नालियों में न डालें, जिससे जल निकासी व्यवस्था बाधित न हो। साथ ही यदि कहीं नाली अथवा नाला अवरुद्ध दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल नगर पालिका को दें। नगर पालिका परिषद, शहडोल ने बताया कि यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा, जिससे वर्षा ऋतु के दौरान शहर में स्वच्छता एवं सुचारू जल निकासी व्यवस्था बनाए रखी जा सके और जलभराव की समस्या से प्रभावी बचाव हो सके।

डायल 112 ने बस स्टैंड पर मचाया तांडव

नशे में धुत पुलिस कर्मियों की गुंडागर्दी

शहडोल। रक्षक ही जब भक्षक बन जाए और कानून के रखवाले ही नशे में चूर होकर सडक़ों पर मौत बांटने निकलें, तो जनता किसके भरोसे रहे? गुरुवार दोपहर शहडोल के हृदय स्थल बस स्टैंड पर जो कुछ हुआ, उसने पुलिस विभाग की गरिमा को तार-तार कर दिया। डायल 112 के नशे में धुत पायलट और पुलिसकर्मी ने न केवल कानून की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि एक बेगुनाह बाइक सवार को रौंदने की कोशिश भी की।

नशे की रफ्तार, लहूलुहान हुआ निर्दोष

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो कोतवाली थाने की डायल 112 का पायलट अजय द्विवेदी और पुलिसकर्मी दुर्योधन सिंह (कथित नाम) शराब के नशे में इतने अंधे थे कि उन्हें सामने खड़ा बाइक सवार नजर नहीं आया। तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को ऐसी जोरदार टक्कर मारी कि युवक लहूलुहान होकर सडक़ पर जा गिरा। गनीमत रही कि उसकी जान बच गई, लेकिन पैर में गंभीर चोट आई है।

गलती पर शर्मिंदगी नहीं, जनता को दी गालियां

हादसे के बाद जब जागरूक नागरिकों ने वाहन को रोका, तो वर्दी का अहंकार सातवें आसमान पर था। नशे में झूम रहे पुलिसकर्मियों ने माफी मांगने के बजाय आम जनता पर अपनी वर्दी की धौंस जमाते हुए गंदी-गंदी गालियां देना शुरू कर दिया। इससे लोगों का आक्रोश भडक़ उठा और देखते ही देखते बस स्टैंड जंग का मैदान बन गया। गुस्साई भीड़ ने वाहन को चारों ओर से घेर लिया और जमकर नारेबाजी की।

वीडियो ने खोली पोल, पुलिस महकमे में हडक़ंप

मौके पर मौजूद लोगों ने जब इस शर्मनाक करतूत का वीडियो बनाना शुरू किया, तो नशेड़ी रक्षक वहां से दुम दबाकर भागने की फिराक में दिखे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घंटों चले हंगामे और जाम के बाद कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जैसे-तैसे स्थिति संभाली।

बदल गया दूल्हा तो भड़की दुल्हन, बैरंग लौटी बारात!

शहडोल। जिले के ब्यौहारी क्षेत्र में बुधवार की रात एक ऐसी शादी सुर्खियों में आ गई, जिसका अंजाम किसी फिल्मी क्लाइमेक्स से कम नहीं था। गोहपारू से पूरे तामझाम और अरमानों के साथ आई बारात को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब दुल्हन ने जयमाला के मंच पर ही दूल्हे को पहचानने से इनकार कर दिया। नतीजा? बारातियों को जिस रास्ते से शहनाइयां बजाते आए थे, उसी रास्ते सन्नाटे के साथ खाली हाथ वापस लौटना पड़ा।

मंच पर सन्नाटा, दावों की खुली पोल

चर्चा है कि सतना जिले की रहने वाली युवती का विवाह गोहपारू के युवक से तय हुआ था। द्वारचार की रस्मों तक सब कुछ ठीक था, लेकिन जैसे ही जयमाला के लिए लाइटें चमकीं, असली ड्रामा शुरू हो गया। दूल्हे ने जैसे ही दुल्हन के गले में वरमाला डाली, दुल्हन ठिठक गई। उसने दूल्हे को सिर से पांव तक निहारा और माला फेंककर सीधे मंच से नीचे उतर गई। सजी-धजी शादी की खुशियां

पल भर में अफरा-तफरी में बदल गईं।

धोखे की शादी पर दुल्हन का प्रहार

जब परिजनों ने दुल्हन को घेरा, तो उसने जो कहा उसने सबके होश उड़ा दिए। दुल्हन का सीधा और दो-टूक आरोप था कि यह वह लडक़ा नहीं है, जिसे मुझे दिखाया गया था। कथित तौर पर फोटो में कोई और था और मंडप में कोई और खड़ा कर दिया गया। परिजनों ने मान-मनौव्वल की, लोक-लाज का वास्ता दिया, लेकिन युवती अपने फैसले पर अड़ी रही। उसने साफ कह दिया कि वह किसी फर्जीवाड़े का हिस्सा नहीं बनेगी।

पुलिस की एंट्री और रजामंदी का सरेंडर

हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस को दखल देना पड़ा। मामला थाने तक पहुंचा, जहां हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। आखिरकार, जब दुल्हन नहीं मानी, तो दोनों पक्षों ने हार मान ली। पुलिसिया मौजूदगी में लिखित समझौता हुआ और बारात को बिना दुल्हन लिए ही गोहपारू रवाना होना पड़ा। यह घटना उन परिवारों के लिए चेतावनी है जो शादियों में पारदर्शिता के बजाय दिखावे और हेरफेर का सहारा लेते हैं। दुल्हन के इस साहसी फैसले ने पूरे क्षेत्र में चर्चा छेड़ दी है कि अब बेटियां चुपचाप बलि का बकरा बनने को तैयार नहीं हैं।

इनका कहना है...

जयमाला के दौरान दुल्हन ने दूल्हे को माला नहीं पहनाई। इसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश दी। बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से कार्यक्रम समाप्त करने का निर्णय लिया और बिना किसी विवाद के अपने-अपने घर लौट गए।

जिया उल हक
थाना प्रभारी, ब्यौहारी

दंतैल हाथी का कहर,युवती की मौत, बालक घायल हफ्ते में दो महिलाओं की गयी जान, गांवों में दहशत

अनूपपुर जिले में एक दंतैल हाथी का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार सुबह पिपरिया के कुसुमहाई गांव में 23 वर्षीय युवती जानकी कोल की हाथी के हमले में मौत हो गई, जबकि एक बालक घायल है। बीते एक सप्ताह में हाथी के हमले से दो महिलाओं की जान जा चुकी है और तीन लोग घायल हो चुके हैं। गांव-गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

छत्तीसगढ़ सीमा से भटककर अनूपपुर जिले में पहुंचे एक दंतैल हाथी ने पिछले 27 दिनों से ग्रामीण अंचलों में भय का माहौल बना रखा है। दिन में जंगलों में विश्राम करने वाला यह हाथी रात होते ही भोजन की तलाश में गांवों में घुस आता है और फसलों, बाड़ियों तथा घरों को नुकसान पहुंचाने के साथ ग्रामीणों पर भी हमला कर रहा है। ताजा घटना में ग्राम पंचायत पिपरिया के कुसुमहाई गांव में 23 वर्षीय जानकी कोल को हाथी ने पकड़कर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इससे पहले सेंदुरी गांव में एक बालक पर भी हमला कर उसे घायल कर दिया था। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश और भय दोनों व्याप्त हैं। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

अचानक हमला, युवती की दर्दनाक मौत

गुरुवार सुबह कुसुमहाई गांव में जानकी कोल अपनी मां के साथ खेत में सब्जियां तोड़ने जा रही थी। इसी दौरान घात लगाए बैठे हाथी ने पीछे से हमला कर उसे पकड़ लिया और जमीन पर पटक दिया। गंभीर चोटों के कारण अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना इतनी अचानक हुई कि साथ में मौजूद मां कुछ समझ पाती, उससे पहले ही सब कुछ खत्म हो गया। यह घटना पूरे इलाके में भय और शोक का कारण बन गई है।

बालक पर भी किया हमला

बुधवार रात सेंदुरी गांव में 17 वर्षीय संजय चर्मकार शादी समारोह में जा रहा था। इसी दौरान हाथी सामने आ गया, जिसे देखकर वह भागने लगा। लेकिन झाड़ियों में फंसकर गिर गया और हाथी ने उसे पैर से मारकर घायल कर दिया। संजय को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना दर्शाती है कि हाथी अब सीधे ग्रामीणों को निशाना बना रहा है, जिससे लोगों में डर और बढ़ गया है।

गांव-गांव घूम रहा हाथी, बढ़ा खतरा

यह दंतैल हाथी सेंदुरी, अमगवां, छुलहा, नगदाहा, कोंडा, दुलहरा और पिपरिया सहित कई गांवों में रातभर विचरण कर रहा है। खेतों में लगी फसलें, घरों में रखा अनाज और अन्य सामग्री को नुकसान पहुंचाते हुए यह हाथी लगातार अपना आतंक फैला रहा है। दिन में लेंटाना की झाड़ियों में छिपकर आराम करता है और रात होते ही गांवों की ओर बढ़ जाता है। इससे ग्रामीणों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है।

जनप्रतिनिधियों ने उठाए सवाल

लगातार हो रही घटनाओं के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने वन विभाग और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। पूर्व विधायक रामलाल रौतेल ने मुख्यमंत्री और वरिष्ठ वन अधिकारियों को स्थिति से अवगत कराते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है।

वन विभाग की अपील और कार्यवाही

वन विभाग ने मृतका के परिजनों और घायल युवक को प्रारंभिक आर्थिक सहायता प्रदान की है। साथ ही जिले में विचरण कर रहे पांच हाथियों पर निगरानी रखी जा रही है। वन मंडल अधिकारी डेविड बैंकटराव ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि हाथियों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने के लिए शासन स्तर पर दिशा-निर्देश मांगे गए हैं। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि जब तक ठोस कार्यवाही नहीं होती, तब तक उनका भय कम नहीं होगा।

पवित्र नगरी अमरकंटक में बादलों की लुका-छुपी से तापमान में गिरावट

गर्मी से मिली राहत, मौसम रहा सुखद व सुहावना

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक-आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में अप्रैल माह के अंतिम दिन और वैशाख मास के समापन पर मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में बादलों की लुका-छुपी के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और वातावरण सुखद व सुहावना बना रहा। बताया जाता है कि सीमावर्ती जिला डिंडोरी के करंजिया क्षेत्र में गत दिनों हुई वर्षा का प्रभाव अमरकंटक के मौसम पर भी देखने को मिला। दिनभर नीले आकाश में काले बादल उमड़ते-घुमड़ते रहे और सूर्यदेव के साथ लुका-छुपी का खेल चलता रहा। इसके चलते दिन का तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य दिनों की तुलना में करीब 4 डिग्री कम रहा। तापमान में आई इस गिरावट के कारण उमस और बेचैनी से राहत मिली। नागरिकों, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों ने इस अप्रत्याशित सुहावने मौसम का भरपूर आनंद उठाया। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर तथा महाराष्ट्र के नागपुर और पुणे से आए श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के पावन तट पर स्नान कर पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। दोपहर बाद लगभग 3 बजे के पश्चात मौसम और भी मनमोहक हो गया। ठंडी-ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे वातावरण और अधिक शीतल हो गया। शाम होते-होते मौसम पूरी तरह से सुहावना हो गया और रात्रि में तापमान गिरकर लगभग 15 से 16 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। कानपुर से आए पर्यटकों ने बताया कि उन्होंने अमरकंटक के सुहावने और शीतल मौसम के बारे में सुना था, जिसे आज प्रत्यक्ष अनुभव किया। चारों ओर फैली हरियाली और पहाड़ी क्षेत्र का प्रभाव यहां के मौसम को और भी आकर्षक बनाता है। वहीं नागपुर और पुणे से आए श्रद्धालुओं ने रामघाट में मां नर्मदा के पवित्र स्नान का विशेष आनंद बताया। अन्य तीर्थयात्रियों ने कहा कि जहां उनके शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और कूलर व एसी भी राहत नहीं दे पा रहे, वहीं अमरकंटक का शीतल और प्राकृतिक वातावरण मन को मोह लेने वाला है। उन्होंने इसे पर्यटन और आध्यात्मिक शांति के लिए अत्यंत उपयुक्त स्थल बताया।

वैशाख पूर्णिमा पर दिव्य समापन, मृत्युंजय आश्रम में भक्ति का चरम उत्सव आज, विशाल नगर भंडारा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में परम पूज्य गुरुवरों की पावन स्मृति में चल रही सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। 30 अप्रैल गुरुवार को कथा का छठवां दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के बीच संपन्न हो रहा है, वहीं आज 1 मई शुक्रवार, वैशाख पूर्णिमा के पावन अवसर पर इस दिव्य आयोजन का भव्य समापन होगा।

कथा व्यास आचार्य राममूर्ति मिश्रा द्वारा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का संगीतमय रसपान किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित होकर धर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की अमृतधारा में सराबोर रहे हैं। आश्रम परिसर में श्रीहरि नाम संकीर्तन, सत्संग और भक्ति का वातावरण निरंतर भक्तिमय बना रहा है। यह पुण्य आयोजन पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज के सानिध्य एवं आशीर्वाद में तथा परमेष्ठी सद्गुरुओं स्वामी एकरसानंद सरस्वती जी, स्वामी भजनानंद सरस्वती जी एवं स्वामी शारदानंद सरस्वती जी महाराज की पावन स्मृति को समर्पित है। "सर्वभूत हिते रताः" के दिव्य संदेश के साथ यह आयोजन समाज में सेवा, करुणा और मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ कर रहा है। आज 1 मई शुक्रवार को समापन अवसर पर विधिवत पूर्णाहुति, संत समागम विशाल भोजन भंडारा आयोजित किया जाएगा। इस विशेष अवसर पर नगरवासियों, भक्तों एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण एवं भंडारे में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

अनूपपुर में श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शहर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण को सशक्त करने हेतु आगामी 27 अप्रैल से 3 मई तक श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में श्रद्धालुओं को प्रतिदिन सायं 4 बजे से कथा श्रवण का अवसर प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम का आयोजन होटल सूर्या मैरिज गार्डन, अनूपपुर में किया जा रहा है, जहां पूज्य बालमुकुंद मिश्रा के सानिध्य में कथा का रसपान कराया जा रहा है। इस पावन अवसर पर पूज्या प्राची देवी की गरिमामयी उपस्थिति भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। आयोजन के अंतर्गत 4 मई को ब्राह्मण भोज एवं भंडारे का भी आयोजन रखा गया है, जो दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा। इसके अतिरिक्त 26 अप्रैल को सायं 4 बजे कलश यात्रा निकाली गई जो आदर्श मार्ग स्थित निज निवास से प्रारंभ होकर रामजानकी मंदिर, अनूपपुर तक गई। जिसमे 30 अप्रैल को ध्रुब प्रहलाद आख्यान व श्री कृष्ण जन्मोत्सव ने भक्तो का मन मोह लिया आज 1 मई को श्री कृष्ण बाल लीला, माखन चोर लीला एवं गोर्वधन पूजा का आयोजन किया जायेगा 2 मई को रूकमणी कृष्ण विवाह, महारास, कंस वध, 3 मई को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष का आयोजन होगा। आयोजक परिवार द्वारा समस्त नगरवासियों एवं आसपास के श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ लेने एवं धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की गई है। इस आयोजन के प्रमुख यजमान रामचंद्र-सुनीता केशरवानी (आदर्श मार्ग, अनूपपुर) हैं।

62 वर्षों की सेवायात्रा के पश्चात प्रधानाध्यापक प्यारेलाल साहू को भावभीनी नम आंखों से विदाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय डिड़वापानी में 30 अप्रैल को एक गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक प्यारेलाल साहू को भावभीनी विदाई दी गई। 62 वर्ष की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर उन्होंने शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, सहकर्मियों एवं अतिथियों ने उनके दीर्घ, अनुशासित एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक जीवन को गहन सम्मान के साथ याद किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों एवं शिक्षकों ने श्री साहू का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से आत्मीय सम्मान किया। पूरे समारोह में सम्मान, अपनत्व एवं भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। समारोह में संकुल प्राचार्य शासकीय उमावि सकरा आरपी सोनी, पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल दुलहरा के प्राचार्य राजीव श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक रामभरोसे प्रजापति, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया के प्रधानाध्यापक डॉ. नरेन्द्र पटेल, हाई स्कूल दुधमनिया के प्राचार्य सत्येन्द्र जायसवाल, सेवानिवृत्त शिक्षक वृन्दावन पटेल सहित संकुल सकरा एवं डिड़वापानी के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में श्री साहू के उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान, अनुशासित कार्यशैली, सरल व्यक्तित्व एवं विद्यार्थियों के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शिक्षा जगत का प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर वृन्दावन पटेल, डॉ. नरेन्द्र पटेल, राजीव श्रीवास्तव, आरपी सोनी, रामभरोसे प्रजापति एवं स्वयं श्री साहू ने अपने विचार व्यक्त किए। अपने उद्बोधन में प्यारेलाल साहू ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए सभी सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया, जिससे उपस्थित जन भावुक हो उठे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुनील व्यवहार ने प्रभावी ढंग से किया। अंत में सहभोज के साथ आत्मीय वातावरण में कार्यक्रम का समापन हुआ।

फोटो पत्रकारिता के दिग्गज रघु राय को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। भारतीय फोटो पत्रकारिता के दिग्गज रघु राय के निधन पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फिल्म डिवीजन ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री "रघु राय हियरिंग द आईज" का प्रदर्शन किया गया जिसमें उनके जीवन, कार्य और योगदान को विस्तार से दिखाया गया। कार्यक्रम में छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संकाय डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राघवेंद्र मिश्रा ने कहा कि रघु राय ने अपनी तस्वीरों के माध्यम से भारत के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने अपनी फोटोग्राफी के माध्यम से सिर्फ तस्वीर नहीं बल्कि आम जनता का जीवन, ऐतिहासिक घटनाएँ और मानवीय संवेदनाओं को दिखाया। रघु राय मैग्नम फोटोज के सदस्य रहे और उन्होंने भारतीय फोटो पत्रकारिता को नई दिशा दी। राय जी का जाना कला और पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर डॉ. वसु चौधरी, डॉ. सपना, डॉ. अभिषेक और डॉ. दिलीप चौधरी, पीएचडी शोधार्थी विवेक नेमा सहित अन्य शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

आशीष त्रिपाठी को मध्य प्रदेश कांग्रेस के नगरीय निकाय प्रकोष्ठ में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नगरीय निकाय प्रकोष्ठ की नवीन नियुक्तियों के तहत अनूपपुर जिले के युवा कांग्रेस कार्यकर्ता आशीष त्रिपाठी को प्रदेश उपाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार की गई है, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आशीष त्रिपाठी की नियुक्ति पर जिले सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि वे कांग्रेस की विचारधारा, जनहितकारी नीतियों और संगठनात्मक मजबूती को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इन जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं ने दी बधाई जिसमें विधायक पुष्पराजगढ़ फुन्देलाल सिंह मार्को, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रजन राठौड़, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, पार्षद रियाज अहमद, पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम चौधरी, रामाधार बैगा एवं जिला कांग्रेस महासचिव सत्येंद्र स्वरूप दुबे सहित अनेक कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्री त्रिपाठी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव आम जनता, गरीब, किसान, मजदूर एवं वंचित वर्ग के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। श्री त्रिपाठी की नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी। शुभचिंतकों ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योग्य एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर पार्टी ने संगठन को सुदृढ़ करने का सराहनीय कार्य किया है। साथ ही आशीष त्रिपाठी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई गई कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी के साथ करेंगे।

दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क मे गड्ढा, दुघर्टना का कारण

हरिभूमि न्यूजकोतमा। बसखली चौराहा से कोतमा की तरफ जाने वाले क्रासिंग सड़क मे गड्ढा हो गया है सड़क बैठ गई है जिसके कारण आये दिन दुघर्टना घटित हो रही है लेकिन इसके मरम्मत की ओर प्रशासन का ध्यान नही जा रहा है। जबकि यह सडक राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 हाइवे मे मिलती है और यह दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है और इस सड़क मे 24 घंटे लोगों का आना-जाना बना रहता है। चौराहा होने के कारण लोगों को सड़क मे हुआ जान लेवा गड्ढा नजर नही आता जिसके कारण आये दिन दुघर्टना घटित हो रही है। यही हाल बेलिया फाटक से बिजुरी जाने वाले तिराहा का है जो राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 हाइवे सड़क को मिलाती है जिसमें चौराहा से लगभग दो सौ मीटर की दूरी की सड़क पूरी तरह से उखड गई है जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। जिसके कारण आये दिन दुघर्टना घटित हो रही है।

संस्कार विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों नें किया जिला जेल का शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

संस्कार विधि महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक प्रयोजन से माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती माया विश्वलाल की अनुमति एवं अनुमोदन से विद्यार्थियों एवं स्टॉफ के साथ जिला जेल अनूपपुर भ्रमण किया गया तथा सभी जेल व्यवस्थाओं एवं प्राथमिक नियमों से अवगत हुए छात्र-छात्राओं ने जेल व्यवस्थाओं एवं नियमों की सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी हेतु जिला जेल अनूपपुर का भ्रमण किया। इस अवसर पर 'जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राघवेंद्र कुमार सोनी, जेलर इंद्रदेव तिवारी का पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिला विधिक सेवा अधिकारी ब्रजेश पटेल एवं जेल कर्मचारियों का पूर्ण सहयोग मिला तथा उन्होंने प्रारम्भिक बातों से अवगत कराया। विधि के विद्यार्थियों का यह शैक्षणिक भ्रमण ज्ञानवर्धक एवं उत्साहवर्धक सिद्ध होगा ऐसी अपेक्षा एवं विश्वास है। इस अवसर पर महाविद्यालय के संचालक नवोद चपरा एवं प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। शैक्षणिक स्टॉफ में विद्यासागर माझी, श्रीमती सरिता चौरसिया, पुष्पेन्द्र पटेल, अनुराग पाल, रविन्द्र यादव उपस्थित रहे तथा अशैक्षणिक स्टॉफ रामनरेश केवट, लखनलाल केवट, रवि केवट, शिवांगी गुप्ता, सुनील कुशवाहा, कमलेश कहार, भुवन सिंह मार्को, श्यामबाई कहार आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सहभागी विद्यार्थी में संतोषी राठौर, अनुराग पाण्डेय, अनुराग सेन, राजेश कुमार केवट, आफरीन बी, देवराज पटेल, दिनेश कुमार, आरती सिंह, अंकित पांडेय, राकेश कुमार, अंजली राठौर, आशीष कुमार चौधरी, अभिषेक पटेल, आसरा शुक्ला, नील सिंह ठाकुर, पूजा यादव, सीमा यादव, श्याम शरण मालगाम, यशवंत पटेल, शिवानी राठौर, जनार्दन मरावी, निशा केवट, ज्योति सिंह, सम्भरलाल, पुनीत कुमार चंद्रवंशी, आरिफ कुरैशी, घूमन सिंह उपस्थित रहे।